

14/6 पत्रावली आज राज्य लोक सेवा आयोग के अधीन है।
 न्याय इसके द्वारा - 2018 के रूप में नाम के आधार पर
 में प्रवेश हुई। तदानीं तब लखनऊ ने अपने
 फ़ॉर्म 173 दिनांक 14.6.18 को रिपोर्ट के आधार
 पर कहा करता है कि - इसका दो दिनों 188 का रकम
 एक ही है जिसे प्रविष्टि के लिए धर्म स्थायी रिपोर्ट
 के प्रत्येक प्रश्न में कौन सा इज्जत नहीं करने
 के पाबंद किया गया है, तदानीं तब लखनऊ
 कोई पालना अपेक्षित नहीं है, इस लिए इसका
 साक्ष्य प्रामाणिक है।

2018 तदानीं तब लखनऊ लखनऊ के
 पालना अपेक्षित नहीं होने के कारण इसका
 साक्ष्य की जाती है। पत्रावली फ़ैलल सुभा
 होगा नभिके के कठोर।

Riy